भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2543
21 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

एनएमडीसी के कामकाज में पारदर्शिता

2543. # श्री बृज लाल :
श्री मदन राठौड़ :
श्रीमती माया नारोलिया :

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) में डिजिटल प्रणालियों की प्रभावशीलता का ऑडिट और मूल्यांकन करने के लिए कौन-कौन से तंत्र लागू किए गए हैं ;

(ख) एनएमडीसी की निर्णय लेने की प्रक्रिया में हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों, से प्राप्त फीडबैक को सार्थक रूप से शामिल करने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं ;

(ग) क्या एनएमडीसी ने वास्तविक समय में जनता की भागीदारी और सूचना के प्रसार के लिए कोई समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म या डैशबोर्ड स्थापित किए हैं ; और

(घ) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क): राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने डिजिटल प्रणालियों की प्रभावकारिता की संपरीक्षा और मूल्यांकन करने के उद्देश्य से एन्टरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली को कार्यान्वित किया है। यह ईआरपी प्रणाली एक पूर्णत: एकीकृत व्यावसायिक समाधान है जिसमें निर्बाध प्रचालनों को सुनिश्चित करते हुए सभी संगठनात्मक क्रियाकलाप शामिल हैं।

(ख): एनएमडीसी ने जिला कलेक्टर के माध्यम से हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों/ग्रामीण प्रतिनिधियों से फीडबैक प्राप्त करने हेतु एक सुव्यवस्थित परामर्श तंत्र स्थापित किया है, जिन्हें एनएमडीसी के निर्णय लेने की प्रक्रिया में ध्यान में रखा जाता है।

(ग) और (घ): एनएमडीसी की आधिकारिक वेबसाइट (www.nmdc.co.in) रियल टाइम आधार पर जनता से संपर्क तथा सूचना साझा करने के लिए एकमात्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करती है। एनएमडीसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी जनता के साथ सक्रिय रुप से संपर्क बनाए रखता है।

*****